

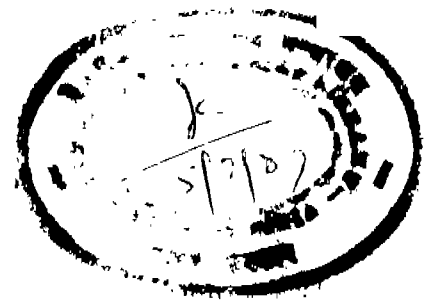


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 601]

नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 17, 1986/अग्राहायण 26, 1908

No. 601] NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 17, 1986/AGRAHAYANA 26, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

अनुसूची

(पत्तन पक्ष)

नई दिल्ली, 17 दिसम्बर, 1986

अधिसूचना

सा. का. आ. 1290 (अ):—महापत्तन न्यास अधि-
नियम, 1963 (1963 के 38 वें) की धारा 132 की
उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1)
द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार
बम्बई पत्तन के न्यासी मंडल द्वारा बनाए गए तथा इस
अधिसूचना के साथ अनुलग्न अनुसूची में यथा-वर्णित बम्बई
पत्तन न्यास भविष्य निधि (संशोधन) विनियम, 1986
का अनुमोदन करती है।

2. उक्त विनियम इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र
में प्रकाशन की तिथि से प्रवृत्त होंगे।

[फाइल सं. पी. आर. 12016/6/86-पी. ई.-1]

पी. एम. अन्नाहम, अपर सचिव

बंबई पोर्ट ट्रस्ट भविष्य निधि (संशोधन) विनियम, 1986

मेजर पोर्ट ट्रस्ट्स अधिनियम, 1963 की धारा 28
द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और कथित अधि-
नियम की धारा 124 (1) के तहत केन्द्र सरकार के अनु-
मोदन से, बंबई बंदरगाह का विश्वस्त मंडल बंबई पोर्ट
ट्रस्ट के भविष्य निधि संबंधी विनियमों में संशोधन करने के
लिए निम्न विनियम बनाता है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :—इन विनियमों का
संक्षिप्त नाम बंबई पोर्ट ट्रस्ट भविष्य निधि (संशोधन)
विनियम, 1986 होगा।

2. बंबई पोर्ट ट्रस्ट भविष्य निधि विनियम में विनियम
16 के बाद निम्न विनियम सन्निविष्ट किया जाएगा, अर्थात्:—

“16 अ. अगर इन विनियमों द्वारा शासित कर्मचारी
के सेवा में होते हुए—सेवानिवृत्ति से पहले
तथा पुनः नियुक्ति के दौरान—विभागीय कार-

वाही प्रारंभ की गयी, तो इन विनियमों के अंतर्गत उस कर्मचारी की आखिरी सेवा निवृत्ति के बाद वही कारवाही रहेगी तथा जिस प्राधिकारी द्वारा वह प्रारंभ की गयी थी, उसी के द्वारा जारी रखी जाएगी अथवा समाप्त की जाएगी—उसी प्रकार, जैसे कि कर्मचारी सेवा में ही है।”

स्पष्टीकरण :—इस विनियम के प्रयोजन के लिये विभागीय कारवाही उस तिथि से प्रारंभ हुई मानी जाएगी, जिस दिन आरोपों की सूची की प्रतिलिपि, उसके समर्थन में दुर्व्यवहार या कदाचार के आरोप संबंधी विवरण कर्मचारी को दिया गया हो, अथवा, अगर कर्मचारी को पहले ही, उससे पूर्व की तिथि से निलंबित किया गया हो, तो उस तिथि से कारवाही का प्रारंभ माना जाएगा।

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

New Delhi, the 17th December, 1986

NOTIFICATION

G.S.R. 1290(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 124 read with sub-section (1) of section 132, of the Major Port Trusts Act, 1963, (38 of 1963), the Central Government hereby approve the Bombay Port Trust Provident Fund (Amendment) Regulations, 1986 made by the Board of Trustees of the Ports of Bombay and set out in the Schedule annexed to this notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[F. No. PR-12016/86-PE. I]

P. M. ABRAHAM, Addl. Secy.

THE SCHEDULE

Bombay Port Trust Provident

Fund (Amendment) Regulations, 1986

In exercise of the powers conferred by section 28 of the Major Port Trusts Act, 1963, and with the approval of the Central Government under section 124(1) of the said Act, the Board of Trustees of the Port of Bombay hereby make the following regulations further to amend the Bombay Port Trust Regulations of the Provident Fund, namely:—

1. short entitle and commencement.—These Regulations may be called the Bombay Port Trust Provident Fund (Amendment) Regulations, 1986.
2. In the Bombay Port Trust Regulations of the Provident Fund, after Regulation 16, the following regulation shall be inserted, namely:—

“16-A. If departmental proceedings are instituted while an employee who is governed by these Regulations is in service, whether before his retirement or during his re-employment, the same shall, after the final retirement of the employee, be deemed to be proceedings under these Regulations and shall be continued and concluded by the authority by which it was commenced in the same manner as if the employee had continued in service.”

Explanation.—For the purpose of this regulation, a departmental proceeding shall be deemed to be instituted on the date on which a copy of the articles of charge and a statement of the imputations of misconduct or misbehaviour in support of the articles of charge are issued to the employee, or, if the employee has already been placed under suspension from an earlier date, on such date.”